Books recommended:

1. **Monkhouse, F J & Wilkinson, H R : Maps and Diagrams, Methuen, London, 1994.**
2. **Singh, R L: Elements of Practical Geography, Kalyani Publishers, New Delhi.**
3. **J.P. Sharma: Prayogatmak Bhoogol ki Rooprekha, Rastogi, Meerut.**
4. **Mamoria C B & Jain S M : Prayogatmak Bhoogol, Sahitya Bhavan Agra.**

भूगोल

प्रथम प्रश्न पत्र : भौतिक भूगोल

अवधि : 3 घंटे पूर्णांक : 75

नोट :–प्रश्न पत्र के कुल तीन खण्ड होंगे।खण्ड 'अ' में 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक इकाई से 2 अंकों के 2 प्रश्न तथा सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक उत्तर की शब्द सीमा 50 शब्दों से अधिक नहीं होगी । खण्ड 'ब' में प्रत्येक इकाई में से 2 प्रश्न सहित कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से 1 प्रश्न का उत्तर देते हुए कुल 5 प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक उत्तर की शब्द सीमा 200 शब्द होगी। खण्ड 'स' में कुल 5 प्रश्न, प्रत्येक इकाई से 1 प्रश्न, होगें । परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे तथा प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द सीमा 500 शब्दों से अधिक नहीं होगी ।

इकाई– 1

अ. सौरमण्डल, पृथ्वी की उत्पति : निहारिका परिकल्पना, ज्वारीय परिकल्पना, बिग बैंग सिद्वांत ।

आ. पृथ्वी के आंतरिक भाग की भौतिक व रासायनिक अवस्था : संरचना एवं कटिबन्ध।

इ. अल्फ्रेड वेगनर का महाद्वीपीय विस्थापन सिंद्धात

ई. प्लेट विवर्तनिकी उ. समस्थिति

ऊ. पर्वत निर्माण के सिद्धांत – जोली, कोबर, और अर्थर होम्स

इकाई –2

अ. शैल– उनके प्रकार और विशेषताऐं

आ. अपक्षय और मृदा निर्माण

इ. भू–संचालन–पटल विरूपण–भ्रंश एंव वलन

ई. भूकम्प

उ. ज्वालामुखी– कारण और निर्मित स्थलाकृतियां

इकाई –3

अ. अपरदन चक्र– विलियम मौरिस डेविस और वाल्थर पैंक

आ. नदीकृत स्थलाकृतियां

इ. कार्स्ट स्थलाकृतियां

ई. हिमानाकृत स्थलाकृतियां

उ. पवन द्वारा निर्मित स्थलाकृतियां

ऊ. तटीय स्थलाकृतियां

इकाई –4

अ. वायुमण्डल का संघटन और स्तरीकरण

आ. सूर्यताप और उष्मा बजट

इ. तापमान

ई. वायुदाब और पवनें

उ. जैट स्ट्रीम

ऊ. वायु राशियां और वाताग्र

ए. चक्रवात – उष्ण कटिबन्धीय और शीतोष्णटिबन्धीय

ऐं. जलवायु प्रकार– व्लादीमिर कोपेन का जलवायु वर्गीकरण

इकाई –5

अ. महासागरीय नितल का विन्यास

आ. महासागरीय जल में तापमान व लवणता का वितरण

इ. महासागरीय धारायें तथा ज्वारभाटा

ई. महासागरीय निक्षेप

उ. प्रवाल भित्तियां एवं प्रबाल वलय – प्रकार और डार्विन, मरे व डेली के अनुसार उनकी उत्पति

द्वितीय प्रश्न पत्र : संसाधन एंव पर्यावरण

अवधि : 3 घंटे **पूर्णांक : 75**

नोट :–प्रश्न पत्र के कुल तीन खण्ड होंगे।खण्ड 'अ' में 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक इकाई से 2 अंकों के 2 प्रश्न तथा सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक उत्तर की शब्द सीमा 50 शब्दों से अधिक नहीं होगी । खण्ड 'ब' में प्रत्येक इकाई में से 2 प्रश्न सहित कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से 1 प्रश्न का उत्तर देते हुए कुल 5 प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक उत्तर की शब्द सीमा 200 शब्द होगी। खण्ड 'स' में कुल 5 प्रश्न, प्रत्येक इकाई से 1 प्रश्न, होगें । परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे तथा प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द सीमा 500 शब्दों से अधिक नहीं होगी ।

ईकाई – 1

संसाधन तथा पर्यावरण का अर्थ, प्रकृति और उनके घटक । संसाधन तथा पर्यावरण के मध्य अंतरसम्बधता । संससाधनों का वर्गीकरण : नवीकरणीय योग्य तथा अनवीकरणीय, जैविक (वन, वन्य, जीव, पशुचारण, मत्स्य, कृषिगत फसलें) और अजैविक संसाधन (भूमि, जल, खनिज)

ईकाई – 2

खनिज और ऊर्जा संसाधनों का वितरण एवं उपयोग तथा उनका आर्थिक और पर्यावरणीय महत्व । वन, वनस्पति, जन्तु और मत्स्य के प्रकार एवं वितरण– उनका आर्थिक एंव पर्यावरणीय महत्व ।

ईकाई – 3

प्रमुख मृदा प्रकार और उनका वितरण, मृदा अपरदन की समस्यायें और मृदा संरक्षण । जल का वितरण एवं उपयोग, जल दोहन– आवश्यकता, जल के स्वरूप, भूमिजल– उपयोगिता, प्रत्यक्ष उपयोग के लिये वर्षा जल का संचय, आर्थिक एवं प्यावरणीय महत्व ।

ईकाई – 4

पर्यावरण का वर्गीकरणः– प्राकृतिक एंव मानवीय । मानव– पर्यावरण के मध्य अंतरसबन्धः जनसंख्या के आकार और अर्थव्यवस्था के प्रकार एवं तकनीकी स्तर के अनुसार । पर्यावरणीय प्रदूषण – जल, वायु, ध्वनि, मृदा तथा रेडिया सक्रिय – कारण, प्रभाव और उपाय ।

ईकाई – 5

पर्यावरणीय प्रबंधन : वन, मृदा और वन्य जीव, उसकी जागरूकता, पर्यावरणीय शिक्षाः समस्यायें एवं उनका नियोजन, वन विनाश, भूमण्डलीय उष्मीकरण ।

प्रायोगिक

योजना : प्रति बैच 40 विद्यार्थियों का प्रति सप्ताह 6 कालांश अध्ययन

पूर्णांक	कला 50	अवधि 4 घंटे	न्यूनतम उत्तीर्णांक कला 18
	विज्ञान 50	अवधि 4 घंटे	विज्ञान 18

अंको का विभाजन	कला	विज्ञान
1. प्रयोगशालीय कार्य :	18	18
2. क्षेत्र सर्वेक्षण और मौखिक	8+4=12	8+4=12
3. रिकार्ड कार्य और मौखिक	8+4=12	8+4=12
4. सर्वेक्षण रिपोर्ट और मौखिक	6+2=8	6+2=8
कुल	50	50

नोटः कुल 5 प्रश्नों में से 3 प्रश्न हल करने होंगे। प्रति बैच 40 परीक्षार्थियों का मूलयांकन किया जाएगा।

पाठ्यक्रम

1. मापनी – सरल, विकर्ण और तुलनात्मक
2. विवर्धन, लघुकरण और मानचित्र संयोजन
3. उच्चवच निरूपण की विधियां, हैश्यूर, पर्वतीय छायाकरण, स्तर–रंजन विधि, समोच्च रेखाएं आदि। स्थलाकृतिक पत्रकों में प्रदर्शित विभिन्न भ्वाकृतिक प्रदेशों के उच्चावच, भू–स्वरूप जैसे–ढाल के प्रकार, घाटियां, जलप्रताप, गार्ज, विसर्प पठार : शंक्वाकर पहाड़ी–कटक, काठी और दर्रो का समोच्चय रेखाओं द्वारा प्रदर्शित करना । परिच्छेदिका खींचना ।
4. स्थलाकृतिक पत्रकों का अध्ययन, भारत के स्थलाकृतिक पत्रकों की पद्वति ।